Publication	**Dainik Jagran**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	07/04/2025	**Page no**	9
CCM	12.60		

IFFCO made the state self-sufficient in food grain production

खाद्यान्न उत्पादन में इफ्को ने बनाया आत्मनिर्भर

गांधीनगर, प्रेट्र : केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफ्को) के योगदान को सराहा। उन्होंने कहा कि इफ्को ने खाद्यान्न उत्पादन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इसने रासायनिक से नैनो और जैव उर्वरकों की ओर कदम बढ़ाया है। चाहे किसानों की मदद करने की बात हो, अनुसंधान और विकास, ब्रांडिंग और हर घर तक पहुंचने की बात हो, इफ्को ने कमाल की दक्षता दिखाई है। शाह ने ये बातें इफ्को के 50 साल पूरे होने पर गुजरात की कलोल में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में कहीं। इस अवसर पर शाह ने कलोल यूनिट में इफ्को के बीज अनुसंधान केंद्र की भी आधारशिला रखी। शाह ने कहा कि पिछले 50 सालों से इफ्को किसानों की समृद्धि के लिए काम कर रहा है। अगर आज भारत ने खाद्यान्न में आत्मनिर्भरता हासिल की है तो इसमें इफ्को की बड़ी भूमिका है।

Downloaded from
SAMVAD

Publication	**Punjab Kesri**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	07/04/2025	**Page no**	3
CCM	37.97		

IFFCO's role is important in making India self-sufficient in food grain production: Shah

खाद्यान्न उत्पादन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने में इफको की भूमिका महत्वपूर्ण: शाह

गांधीनगर, (पंजाब केसरी): केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि उर्वरक सहकारी संस्था इफको ने भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शाह ने इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड (इफको) के रासायनिक उर्वरकों के बजाय नैनो और जैव उर्वरकों का रुख करने की भी सराहना की। सहकारिता मंत्री ने इफको की कलोल इकाई के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों की मदद, शोध एवं विकास, विपणन और हर घर तक पहुंचने के मामले में इफको ने ऐसी दक्षता दिखाई है कि कोई भी कॉरपोरेट कंपनी उससे सीख ले सकती है। उन्होंने इस अवसर पर इफको के बीज अनुसंधान केंद्र की आधारशिला भी रखी। शाह ने कहा कि इफको के 50 वर्ष कृषि, अनाज उत्पादन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों की समृद्धि के लिए समर्पित रहे हैं। अगले 50 वर्षों में इफको कृषि

इफको ने अपने 50 वर्ष कृषि क्षेत्र को किसानों की समृद्धि के समर्पित किए

को आधुनिक और उत्पादक बनाने, कृषि भूमि को संरक्षित करने और देश के पर्यावरण को बचाने के लिए काम करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज यदि भारत खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर है, तो इसमें इफको का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि इफको ने समय के साथ थोक उर्वरक इस्तेमाल की जगह लक्षित और नियंत्रित उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया है ताकि मिट्टी को बिना नुकसान के पोषक तत्व मिल सकें। शाह ने बताया कि इफको ने वर्तमान में 90 लाख टन की उत्पादन क्षमता, 40,000 करोड़ रुपये का कारोबार और 3,200 करोड़ रुपये का लाभ हासिल किया है।

Downloaded from
SAMVAD